हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

• वर्ष : 9 • अंक 117 • मार्च- 2015 • • मूल्य : 15/-

मण्डोर जोधपुर में आयोजित

राव की गैर

में उमड़ा माली समाज

श्री नर्बदेश्वर महादेव

संत शिरोमणी लिखमीदास जी महाराज

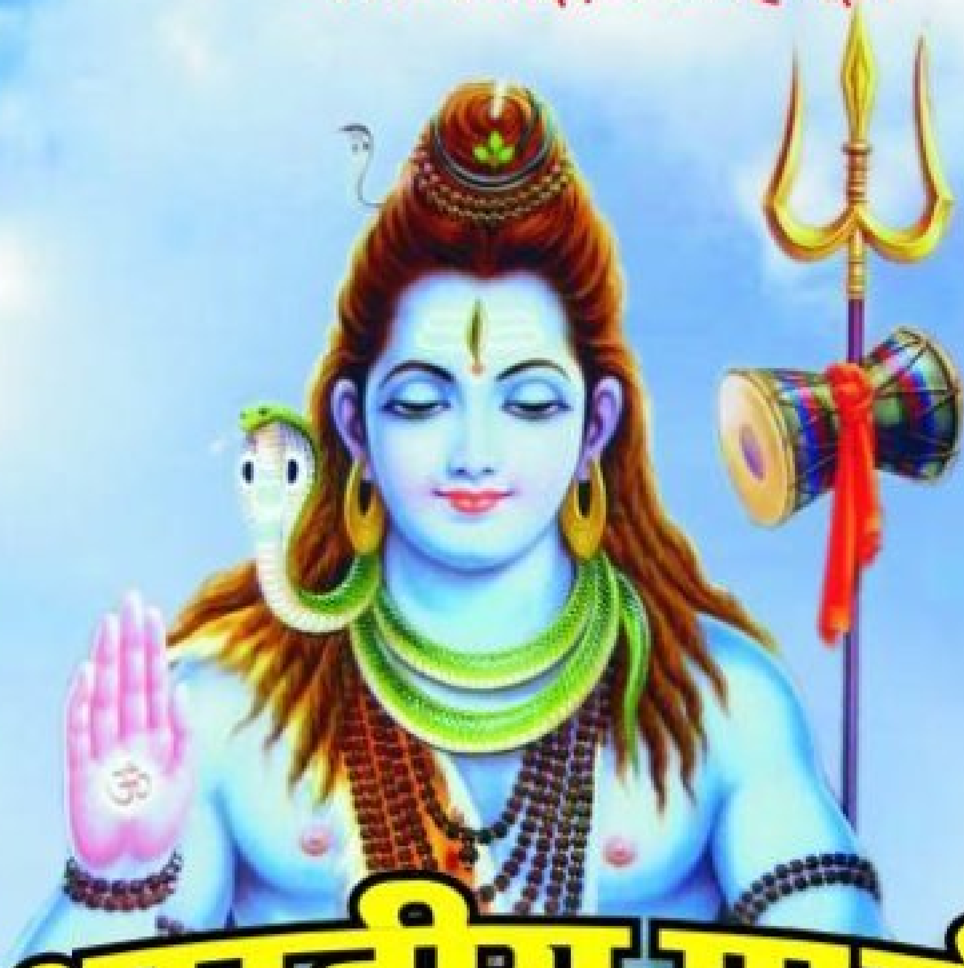

महात्मा ज्योति बा फूले

अखिल भारतीय माली (सैनी)

सेवा सदन संस्थान, पुष्कर (अजमेर)

नवनिर्मित समाज भवन उद्घाटन जन प्रतिनिधि एवं दानदाता सम्मान समारोह

गुरूवार, 23 अप्रेल 2015 समय प्रात: 11 बजे

समारोह में आमंत्रित अतिथिगण

श्रीमान अशोक गहलोत
(पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार)

श्रीमान प्रभुलाल सैनी
(कृषि एवं पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार)

श्रीमान राजेन्द्र गहलोत
(पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार)

श्रीमान ओ.पी. सैनी
(वरिष्ठ आई.ए.एस., राजस्थान सरकार)

श्रीमान भगवान सहाय सैनी
(पूर्व विधायक, राजस्थान)

श्रीमान राजेन्द्र सोलंकी
(पूर्व चैयरमेन, जेडीए, जोधपुर)

श्रीमान धर्मेन्द्र गहलोत
(पूर्व चैयरमेन, नगर निगम, अजमेर)

श्रीमान मोतीलालजी सांखला
(रा. अध्यक्ष, मा.फूले.जागृति मंच)

श्रीमान मांगीलालजी पंवार
(प्र. अध्यक्ष, मा.फूले राष्ट्रीय संस्थान)

श्रीमान देवीचंद देवड़ा
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

श्रीमान सुनिल परिहार
(पूर्व अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

एवं समस्त जिला/संस्थान अध्यक्ष माली सैनी समाज

निवेदक :

ऊँकारराम कच्छवाह
(अध्यक्ष)
94141 34525

लेखराज सैनी
(महासचिव)
9460243389

रूपचंद मारोठिया
(कोषाध्यक्ष)
9413153714

एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण

आप सभी समाजबंधु सपरिवार पधारकर इस भव्य आयोजन की शोभा बढाएं।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 9 ● अंक 117 ● 25 मार्च, 2015 ● मूल्य : 15/- प्रति

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

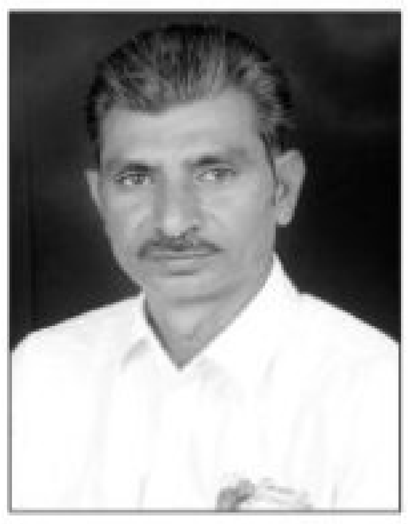

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर
जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज
रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर
इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों ने दी आर्कषक प्रस्तुति

- सम्पादकीय
- कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री सहित 7 के खिलाफ पेश परिवाद किया खारिज
- नवरात्रा में भक्तों ने किया 131 यूनिट रक्तदान
- इंजी. मोहित ने रचा इतिहास
- कुशवाह समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान
- एकजुटता से विकास संभव
- सैनी समाज ने किया प्रतिभाओं का सम्मान
- फुले सेवा संस्थान के तत्वावधान में हुआ नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान
- रामनवमी मेले में उमड़े श्रद्धालु
- वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों ने दी आर्कषक प्रस्तुति
- दंताला वैष्णों देवी मंदिर में उमड़ा भक्तों का हजूम
- अजमेर में निशुल्क रोजगार मेला का आयोजन
- सोलंकी अध्यक्ष व कबाड़ी मंत्री
- माली समाज सामूहिक विवाह आयोजन सेवा समिति की बैठक
- मेड़ता में 50 जोड़ें थामेंगे एक दूसरे का हाथ
- श्री मातेश्वरी सैनेट्री का भव्य उद्घाटन
- महात्मा ज्योतिराव फूले संस्थान
- फतेहपुर का प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न
- कोसाणा सरपंच को उपहार में मिले पन्द्रह लाख रूपये
- देवड़ा किराणा स्टोर का भव्य उद्घाटन
- देशभूमि भारत के इतिहास में ने पहले थी न वर्तमान में है ऐसी एम्बुलेंस सेवा
- विविध समाचार

सम्पादक की कलम से ...

आत्मा–नुशासन

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से बाहर रहकर वह सुखी नहीं रह सकता। समाज उन व्यक्तियों समुदाय होता है जिनकी परस्पर समन्वय हो जो समाजशील, व्यवहार, या समान रीति–नीति वाले हो। कोई भी समुदाय एक समूह मात्र होता यदि उसमें समता –समानता न हो। उसमें हलचल तो होती है किन्तु प्राणवता नहीं होती। समाज में पृथक होकर वही व्यक्ति रह सकता है तो सर्वथा निस्संग रहने वाला कोई फकीर या महात्मा हो जिसे किसी प्रकार की चाह न हो। उसमें इच्छा नहीं होकर इच्छा शक्ति होती है। इसलिए प्रभु ने संदेश दिया कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति का जीवन परस्पर के सहयोग पर अवलंबित है।

आज के समाज में अनेक प्रकार के व्यक्तियों का समावेश है। अमीर है तो गरीब भी है। बुद्धिमान है तो सामान्य बुद्धि वाले भी है, शरीर से परिश्रम कर जीवन यापन करने वाले है तो बौद्धिक परिश्रम पर आधारित भी अनेक व्यक्ति है। इन भिन्न भिन्न प्रकार के स्वभाव या व्यवहार वाले व्यक्तियों में समरसता तभी कायम रह सकती है जक तक व्यक्ति निजी स्वतंत्रता को नियंत्रित करने वाला हो। अपने स्वार्थ या अपने हित को ही प्रमुखता न देकर दूसरों के हितको भी महत्व देने वाला हो। अपने लिये जो जीना ही जीवन नहीं है। दूसरों के लिये जीने वाले व्यक्ति का आनन्द ही गुणित हो जाता है। वह दु:खों से मुक्त होकर सार्थक जीवन जीता है। एक संत ने जीना तीन प्रकार का बताया है:–

1. आत्मा का शरीर से जीना।
2. आत्मा का आत्मा से जीना।
3. आत्मा का परमात्मा से जीना।

तीसरे प्रकार का जीवन वहीं व्यक्ति जी सकता है जो सबको अपना मानकर चलता है जिनके मन में प्राणी मात्र के लिए प्रेम होता है, ऐसे व्यक्ति के लिए स्वयं का महत्व कम और दूसरे का महत्व अधिक होता है।

हे मानव! तू अपने आपका ही निग्रह कर अपने आपको संयम में रख। स्वयं के निग्रह से तू दु:खों से मुक्त हो सकता है। यही आत्मानुशासन का मूल मंत्र है। जो व्यकित अपने आप पर नियंत्रण नहीं रख सकता, स्वयं संयम में नहीं जी सकता, जिसका अपने आप पर अनुशासन नहीं होता फिर उस पर दूसरे व्यक्ति अनुशासन करते है। यदि मनुष्य समझपूर्वक अपने मन पर नियंत्रण करता है तो वह सन्मार्ग पर चलेगा। जो अपने पर अनुशासन नहीं रख सकता वह दूसरों पर अनुशासन कैसे रख सकता है? आचार्यो ने सूत्र दिया है – पहले निज पर शासन, फिर अनुशासन अर्थात प्रथम आवश्यकता है स्वयं का अनुशासित या संयमित करने की। स्वयं पर अनुशासन अपनी इन्द्रियों व शरीर से प्रारंभ होकर फिर मन तक पहुंचता है।

यह सत्य है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में दु:ख के क्षण भी आते है। मानव मन अत्यनत चंचल है। वहां अच्छे विचार भी उठते हैं तो बुरे विचार भी। बुरे विचार व्यक्ति के लिए नरक स्वरूप है। यदि मन में बुरे विचार है तो वही नरक है। इससे बचना है तो अपनी वाणी को अनुशासन में रखो।

आत्मानुशासन किसी प्रकार से गुलामी नहीं है यह तो अपनी इच्छाओं को, अपने व्यवहार को दूसरों के हित में बाधक नहीं बनने देना है। दमन करना है तो स्वयं का करो इसी से तुम्हारे लिये सुख शांति का मार्ग खुलेगा। अपने मन, वाणी और शरीर को संयम में लाना आत्मानुशासन है।

काली सिंध नदी पर बांध निर्माण में भ्रष्टाचार का मामला

कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री सहित 7 के खिलाफ पेश परिवाद किया खारिज

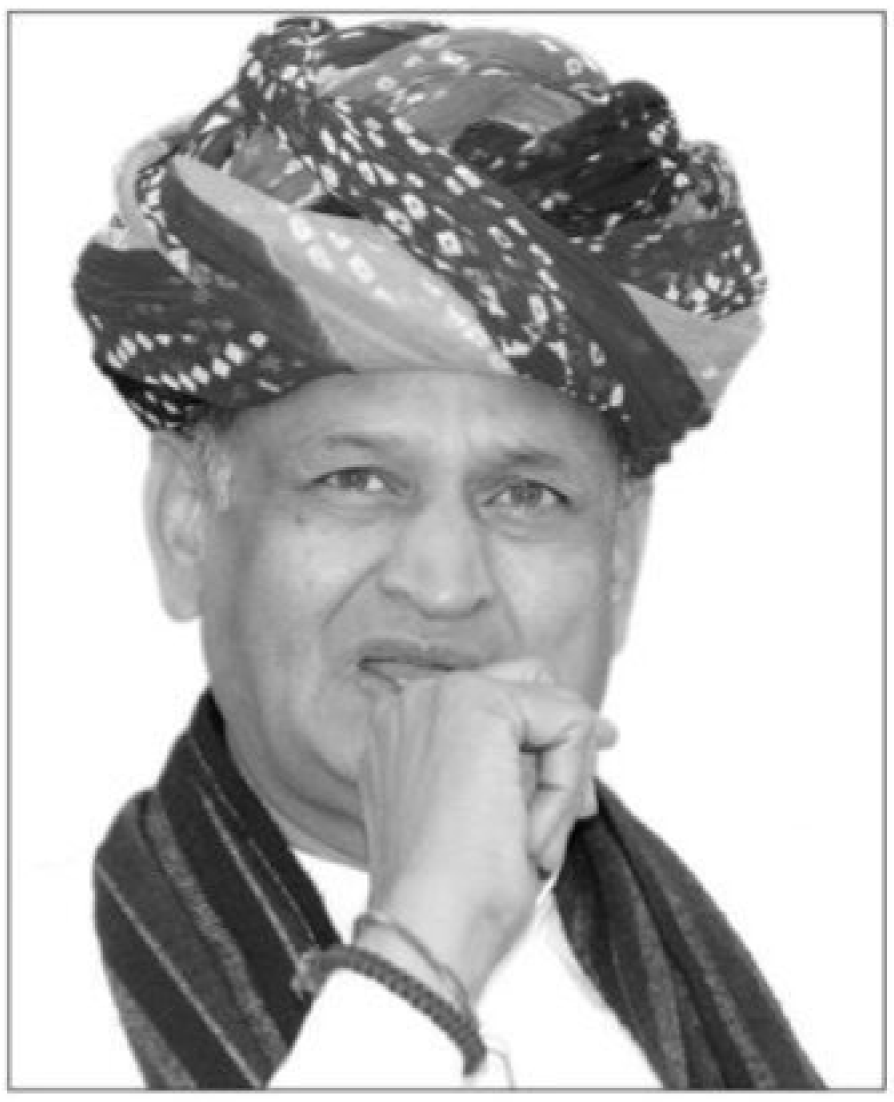

जयपुर। झालावाड़ जिले में काली सिंध नदी पर बांध पर निर्माण के लिए 2008 में 267.74 करोड रूपये का बजट स्वीकृत कर ठेका निरस्त कर पुन: 21 जुलाई 2009 को करोड रूपये का ठेका देने के मामले में एम.एम. 11 कोर्ट में न्यायाधीश रेणू शक्ति ने पूर्व मुख्यमंत्री सहित 7 के खिलाफ पेश किए गए परिवाद को खारिज कर दिया है। अदालत ने आदेश में कहा है कि केवल संभावनाओं के आधार पर आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जा सकता।

ज्ञातव्य है कि परिवादी श्यामसिंह राठौड़ के अधिवक्ता अजय कुमार जैन व जोगेन्द्रसिंह ने अदालत में 18 अप्रेल 2013 को पेश किए गए परिवाद में ओम मेंटल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक चन्द्रप्रकाश कोठारी, डी.पी. कोठारी व सुनील कोठारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सिंचाई विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता पी.एल. सोलंकी, एन.एस. सत्संगी एवं आर.के. निगम के विरू) धारा 409, 467, 471, 420, 120 बी के अंतर्गत आरोप लगाया था कि कम्पनी को फायदा पहुंचाने के लिए 21 सितम्बर 2009 को नई निविदाएं आमन्त्रित की गई तथा बजट भी बढ़ाया गया और शर्तों में इस प्रकार परिवर्तन किया गया कि ठेका उक्त कम्पनी को ही मिले। नई शर्तो के अनुसार इस कम्पनी ने ही 33 रेडियल गेट्स का निर्माण किया था। परिवाद में इस ठेके में 200 करोड़ रूपये की जनता की राशि का अपराधिक दुरूपयोग करने का आरोप लगाया गया था। साथ ही दर पर ठेका देने के कारण उक्त कार्य 2 साल में पूरा करना था लेकिन उक्त कम्पनी ने कार्य परिवाद पेश करने तक पूरा नहीं किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सीआरपीसी की धारा 200 के अंतर्गत स्वयं जांच करते हुए 27 अगस्त 2013 को परिवादी के बयान लिये थे। उसके बाद अदालत ने अशोककुमार थाना पुलिस को भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 202 के अंतर्गत जांच करने के आदेश दिये थे।

जिस पर पुलिस ने अपराध घटित होना बताया था। आरोपी एवं सिंचाई विभाग के तत्कालीन अभियंताओं के वकील चिरंजीलाल सैनी ने कोर्ट में जांच रिर्पोट पर आपत्ती की और कहा कि परिवाद असत्य आधारों पर पेश किया है। लिहाजा खारिज किया जाये।

नवरात्रा में भक्तों ने किया 131 यूनिट रक्तदान

जोधपुर। मंगलवार, 25 मार्च, को दंताला वैष्णों देवी सेवा समिति चौखा एवं भारत सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने लिया बढ़चढ़ कर हिस्सा। कार्यक्रम संयोजक श्री नरपतसिंह परिहार ने बताया कि इस प्रथम बार आयोजित इस रक्तदान शिविर में युवा शक्ति ने अपना योगदान दिया। प्रात: 9 बजे से ही क्षेत्र के युवाओं एवं महिलाओं ने इस रक्तदान शिविर के लिए 193 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इसमें दिन में करीब 2 बजे तक 131 युवक युवतियों ने रक्तदान का पुनित कार्य किया। कार्यक्रम में संत श्री रामप्रसाद जी महाराज एवं क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ ही यू.आई.टी. के पूर्व चैयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी, चौखा के सरपंच श्री गोविंदराम टाक, उपसरपंच श्री कमलेश कच्छवाहा, वार्ड पंच श्री गणपत सांखला, पंचायत समिति सदस्या भगवती सांखला, माली संस्थान के पूर्व अध्यक्ष श्री सुनिल परिहार के साथ ही संस्थान के अध्यक्ष श्री दुर्गाराम परिहार, सचिव श्री गुमानसिंह भाटी एवं कोषाध्यक्ष श्री दौलतराम सांखला का विशेष योगदान रहा है। इसके साथ ही संस्थान के सदस्यों सर्वश्री ओमप्रकाश सांखला, जयसिंह गहलोत, नरपतसिंह परिहार, जयसिंह सांखला, जयसिंह सांखला, मगराज गहलोत, बालकिशन गहलोत, चेतनप्रकाश सांखला, श्यामलाल भाटी, राकेश सांखला, उगमसिंह कच्छवाहा, गुमानसिंह टाक, घेवरचंद गहलोत के साथ ही क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों का विशेष सहयोग रहा। आयोजन समिति की और से सभी रक्तदाताओं एवं पधारें अतिथियों का आभार प्रकट किया गया। माली सैनी संदेश परिवार आशा व्यक्त करता है कि संस्थान आगे भी मानव एवं समाज हितार्थ परमार्थ के कार्यो हेतु अग्रसर रहेगी।

इंजी. मोहित ने रचा इतिहास

प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज को किया गौरवान्वित

जोधपुर। मोहित कच्छवाहा ने राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (R.T.V.) कोटा द्वारा वर्ष 2014 में आयोजित B.Tech Degree (Eletricetic Engineering) परीक्षा में पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनांक 28 फरवरी 2015 को आयोजित राज्य स्तरीय दीक्षांत समारोह में महासहिया राज्यपाल महोदय द्वारा मोहित कच्छवाहा को स्वर्ण पदक (Gold Medal) देकर सम्मानित किया गया। मोहित कच्छवाहा वर्तमान में नई दिल्ली में इण्डियन इन्जिनियरिंग सेवा (I.E.S.) की कोचिंग प्राप्त कर रहा है। जिसकी परीक्षा अगामी जून माह में 'संघ लोक सेवा आयोग' (U.P.S.C.) द्वारा आयोजित की जा रही है। तीस वर्ष पूर्व मोहित के पिता संदीप कच्छवाहा ने राजस्थान प्रावैधिक मण्डल (Raj. Technical Board) द्वारा आयोजित सिविल इन्जिनियरीग परीक्षा में जोधपुर सम्भाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उसी परम्पर को आगे बढ़ाते हुए मोहित ने राज्यस्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर परिवार का समाज का एवं पूरे जोधपुर जिले का नाम रोशन किया है।

मोहित के पिता श्री संदीप कच्व्हवाहा वर्तमान में जन स्वास्थ्य अभियन्त्रिकी विभाग (PHED) के लालसागर उपखण्ड के सहायक अभियन्ता (AEN) के पद पर कार्यरत है। तथा इनकी माता श्रीमति कुसुम कच्छवाहा गृहिणी है तथा छोटा भाई अभिषेक कच्छवाहा ने केन्द्रीय विद्यालय B.S.F. में ग्यारवीं कक्षा की परीक्षा दी है मोहित ने राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर प्राप्त स्वर्ण पदक अपने स्वर्गीय दादाजी नरसिंहजी कच्छवाहा एवं स्वर्गीय नानाजी रामचन्द्रजी पंवार को सादर समर्पित किया करके उनको सच्ची श्रद्धांजालि अर्पित की है।

मोहित ने इसका श्रेय अपनी दादीजी श्रीमति कमला एवं नानीजी श्रीमति कोचर देवी को दिया है। जिनके मार्ग दर्शन, प्यार एवं आर्शीवाद से यह मुकाम हासिल किया है। मोहित कच्छवाहा ही इस उपलब्धि पर पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमान् अशोक गहलोत ने दिनांक 8 मार्च 2015 को जोधपुर पधारने पर घर आकर, मोहित का माल्यार्पण कर उज्जवल भविष्य हेतु शुभार्शीवाद प्रदान किया। माननीय सांसद महोदय गजेन्द्रसिंह जी शेखवात, पूर्व मंत्री राजेन्द्रजी गहलोत, पूर्व जिला अध्यक्ष (भाजपा) श्री नरेन्द्रसिंहजी कच्छवाहा, जिला प्रमुख महोदय श्री पूनारामजी चौधरी ने भी मोहित से किलका उसे आर्शीवाद दिया। माली सैनी संदेश परिवार मोहित की इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करता है तथा मोहित से प्रेरणा ले समाज के युवा भी ऐसी उपलब्धि हासिल कर अपने परिवार एवं समाज को गौरवान्वित करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के साथ मोहित

पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, सांसद गजेन्द्र सिंह एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र सिंह कच्छवाहा के साथ मोहित

मोहित की इस उपलब्धि पर पिता श्री संदीप कच्छवाहा बधाई देते हुए

कुशवाह समाज का स्नेह मिलन समारोह आयोजित, सामुदायिक भवन के लिए दो लाख की घोषणा

कुशवाह समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान

किशनगंज। महरावता गांव में क्षत्रिय कुशवाह समाज का स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ललित मीणा ने कहा कि इस तरह के आयोजन कर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करते रहना चाहिए। इससे समाज के होनहार बच्चों का हौंसला बढ़ता है और उन्हें आगे आने का मौका मिलता है। उन्होंने समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को भी दूर करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख नंदलाल सुमन ने कहा कि समाज में एकता बनी रहे और लोग एक-दूसरे की मदद करें। उन्होंने कुशवाह समाज को सामाजिक क्षेत्र में भी लोग आकर सामाजिक कार्यों में भाग लेने का अपील की। विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति सदस्य पुरूषोत्तम मीणा ने कहा कि समाज के बच्चे भी आगे बढ़कर उच्च पदों पर जाएं। इसके लिए समाज के संपन्न लोगों को सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुशवाह समाज एकीकरण मंच के अध्यक्ष समतालाल कुशवाह ने समाज के लोगों को भाईचारे से रहकर समाज के भले के लिए कार्य करने को कहा। समारोह में सरपंच राजेंद्र सहरिया भी मौजूद थे। इससे पहले उपसरपंच बिरधीलाल कुशवाह, पुष्पशंकर कुशवाह, कैलाशचंद्र कुशवाह, महेंद्र कुशवाह, जगदीश कुशवाह, भागचंद्र व लीलाधर कुशवाह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन चंद्रमोहन कुशवाह ने किया।

4 लाख 81 हजार दिए : समारोह में विवाह सम्मेलन के दौरान राज्य सरकार की ओर से विवाहित जोड़ों को मिलने वाली राशि 4 लाख 81 हजार रूपए का अतिथियों ने वितरण किया। साथ ही समाज के प्रतिभावना छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। समाज के लोगों की मांग पर महरावता में विधायक ललित मीणा की ओर से सामुदायिक भवन के लिए दो लाख रूपय की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम में समाज के जिलेभर के लोग मौजूद थे।

एकजुटता से विकास संभव
सैनी समाज ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

फतेहपुर। कस्बे के त्रिवेणी भवन के पास रविवार को महात्मा ज्योतिराव फुले संस्थान की ओर से सैनी समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। राजस्थान पुलिस एकेडमी जयपुर के निरीक्षक आलोक सैनी के मुख्य आतिथ्य एवं गुरू कृपा ग्रुप के सीएमडी सुभाष सैनी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में वक्ताओं ने कहा कि सभी को साथ लेकर समाज को आगे बढ़ना होगा। झुंझुनूं जिला उप प्रमुख बनवारी लाल सैनी ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। हरित गृह विशेषज्ञ राजेश सैनी ने एवं गंगाबकस सैनी, उपाध्यक्ष रामगोपाल सैनी, चूरू के नरेन्द्र सैनी, भंवरलाल सैनी ने भी संबोधित किया। संस्थान के कमल कुमार सैनी व चन्द्रप्रकाश सैनी ने बताया कि समारोह में समाज की 141 प्रतिभाओं को प्रशंसा पत्र, स्मृति चिह्न प्रदान किया। अशोक बगड़ी को भी सम्मानित किया गया। संचालन प्रहलाद राय सैनी व निर्मला सैनी ने किया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

अखिल भारतीय माली सैनी समाज की ओर से नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान करती प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती अलका सैनी

बैठक आयोजित

चौमू। कस्बे में सैनी सेवा समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अध्यक्षता कर रहे युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गुडडु सैनी ने बताया कि 5 अप्रेल को दिल्ली के नेहरू स्टेडियम ऑडिटोरियम में संगठन महासम्मेलन की रजत जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। सम्मेलन में देशभर से सैनी समाज के सभी जनप्रतिनिधि, समाजसेवी शिरक्त करेंगे। बैठक में सभी पदाधिकारियों को प्रचार सामग्री व जिम्मेदारियां सौपी। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, सूरजमल ठेकेदार, एडवोकेट संदीप सैनी, हनुमान सिंह सैनी सहित पदाधिकारी एवं समाज के लोग उपस्थित थे।

फुले सेवा संस्थान के तत्वावधान में हुआ नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान

शैक्षणिक क्रांति के समर्थक थे फुले

भीलवाड़ा। महात्मा ज्योतिबा फुले समाज में शैक्षणिक क्रांति लाने के साथ ही महिला शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उनके प्रयासों से ही बालिका शिक्षा का विकास संभव हो सका है। फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाते हुए जन प्रतिनिधियों को भी उनका अनुसरण करना चाहिए। यह विचार राज्य के पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने व्यक्त किए। गहलोत रविवार को महात्मा ज्योतिबा फुले मूर्ति प्रांगण में फुले सेवा संस्थान के तत्वावधान व माली समाज द्वारा आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए ऑल इंडिया माली (सैनी) समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तारा चन्द गहलोत ने महात्मा फुले द्वारा समाज के उत्थान पर दिए गए योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी को आपसी मतभेद भुलाकर विकास और उत्थान पर ध्यान देना चाहिए।

फुले सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपाललाल माली ने कहा कि सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के बताए हुए मार्ग पर चलकर समाज विकास में भी अपना योगदान दे। समारोह के विशिष्ट अतिथि राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश महासचिव किशन गहलोत सहित राष्ट्रीय सचिव बंशीलाल माली, पूर्व पार्षद देबीलाल माली एवं ऑल इंडिया माली समाज संस्था के जिला अध्यक्ष योगेश गहलोत आदि मंचासीन थे।

50 जनप्रतिनिधियों का सम्मान :

जिला स्तरीय सम्मान समारोह में प चास जनप्रतिनिधि को स्मृतिचिह्न व प्रशस्ति-पत्र देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। जिनमें जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड मंच, सरपंच एवं उपसरपंच शामिल थे। कार्यक्रम से पूर्व महात्मा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

रामनवमी मेले में उमड़े श्रद्धालु

रामनवमी के अवसर पर दिनांक 28 मार्च 2015 को मगरा पमूंजला जोधपुर में स्थित मां चामुण्डा माता के प्राचीन मन्दिर माता का थान में मेला लगा। मेला सुबह 4 बजे से ही शुरू हो गया एवं रात्रि 11 बजे तक जारी रहा। मेले में क्षेत्र व आस पास के दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। पीने के पानी, शरबत आदि की व्यवस्था मां चामुण्डा माता माली संस्था की तरफ से नि:शुल्क की गई साथ ही संस्था द्वारा लागत मूल्य पर नमकीन (मिर्ची बड़े व कोपते) की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। मेले में मिठाई, प्रसाद व खिलौनों की दुकानें तथा बच्चों के लिए झूले भी लगे।

आस पास के बेरों से गैरे आई, रंग बिरंगी वेशभूषा में गेरियों ने धमचक मचाई जो आकर्षण का केन्द्र भी रही। मेलार्थियों की भारी भीड़, यातायात की व्यवस्था व सुरक्षा हेतु पुलिस को भी लगाया गया। मेले के प्रति बच्चों , बड़े बुजुर्गो महिलाओं सभी में बड़ी उत्सुकता झलक रही थी एवं सभी ने मेले का भरपूर आनन्द लिया।

सामाजिक बंधन

रामगोपाल ''सैनी''
केकड़ी (अजमेर)

आओ मौसर हाल सुणावा, बर्बादी की बात बतावां।
लोग दिखावो करता आया, अब तो बढ़िया रीत बणावां।।
दादा जी तो स्वर्ग सिधारया, काज कर्यावर होवेला।
पंच पुराणी प्रथा चाले, मौसर सगला खावेला।।
चतुर लोग तो करे पूर्ती, भोला तो भरमावे है।
बड़ा-बड़ा की बात राखतां, छोटा चक्कर खावे है।।
लाचारी सूं नहीं पढ़ाया, बाल मजूरी जावे है।
आस पास का छोरा पढ़ग्या, जीव घणो दुख पावे है।।
पांच आंगली नहीं बराबर, कामकाज भी नहीं समान।
देखा देखी लुट जावेला, पंच पटेलां देवो ध्यान।।
मौसर पाछे देख नतीजो, पूरो घर धुप जावे है।
समझदार तो रोक लगा दी, मूर्ख और बढ़ावे है।।
भुगत भोगण्या बात बतावे, सुण-सुण ऑसू आवे है।
काज कर्यावर खाडो भरतां, परिवार पछतावे है।।
मोसर स्यू नादारी म्हारे, पूत परणबो छावे है।
गॉव-गॉव में रोता फिरता, जूत्यां घिसती जावे है।।
कोई जात को भलो न होवो, खोटी रीत निभाणे सूं।
घणा-घणा का हाल बिगड़ग्या, मौसर खूब जिमाणे सूं।।
अब तो पंचो भली विचारो, लोग आपका गुण गासी।
मोसर ने अब छोटो करदयो, भलो सभी को हो जासी।।

वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों ने दी आर्कषक प्रस्तुति

जालोर। माली समाज सेवा संस्थान की ओर से संचालित ज्योति बा फूले उच्च माध्यमिक विद्यालय के वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत आयुक्त शंकरलाल गहलोत उद्यमी भगवानराम गहलोत अहमदाबाद डॉ. देवेन भाई डीसा, डॉ. बंशीलाल अहमदाबाद, माली समाज सेवा संस्थान संरक्षक लेहरीबेन व व्याख्याता बी.एल. देवड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। छात्राओं की ओर से मातृ पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। सरस्वती पूजन के साथ अतिथियों का माला व तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की ओर से देशभक्ति व फिल्मी गीतों की पैरोड़ी से मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्याख्याता देवड़ा ने समाज में शिक्षा के विकास के लिए एकजुट होकर समर्पित भाव से काम करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं सेवानिवृत आयुक्त शंकरलाल गहलोत व माली समाज महासमिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष भबूताराम सोलंकी सहित चुनाव में जीतने वाले जन प्रतिनिधियों का भी बहुमान किया गया। कार्यक्रम के अंत में माली सेवा संस्थान अध्यक्ष सांवलाराम सांखला ने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम की बात कही।

दंताला वैष्णों देवी मंदिर में उमड़ा भक्तों का हजूम

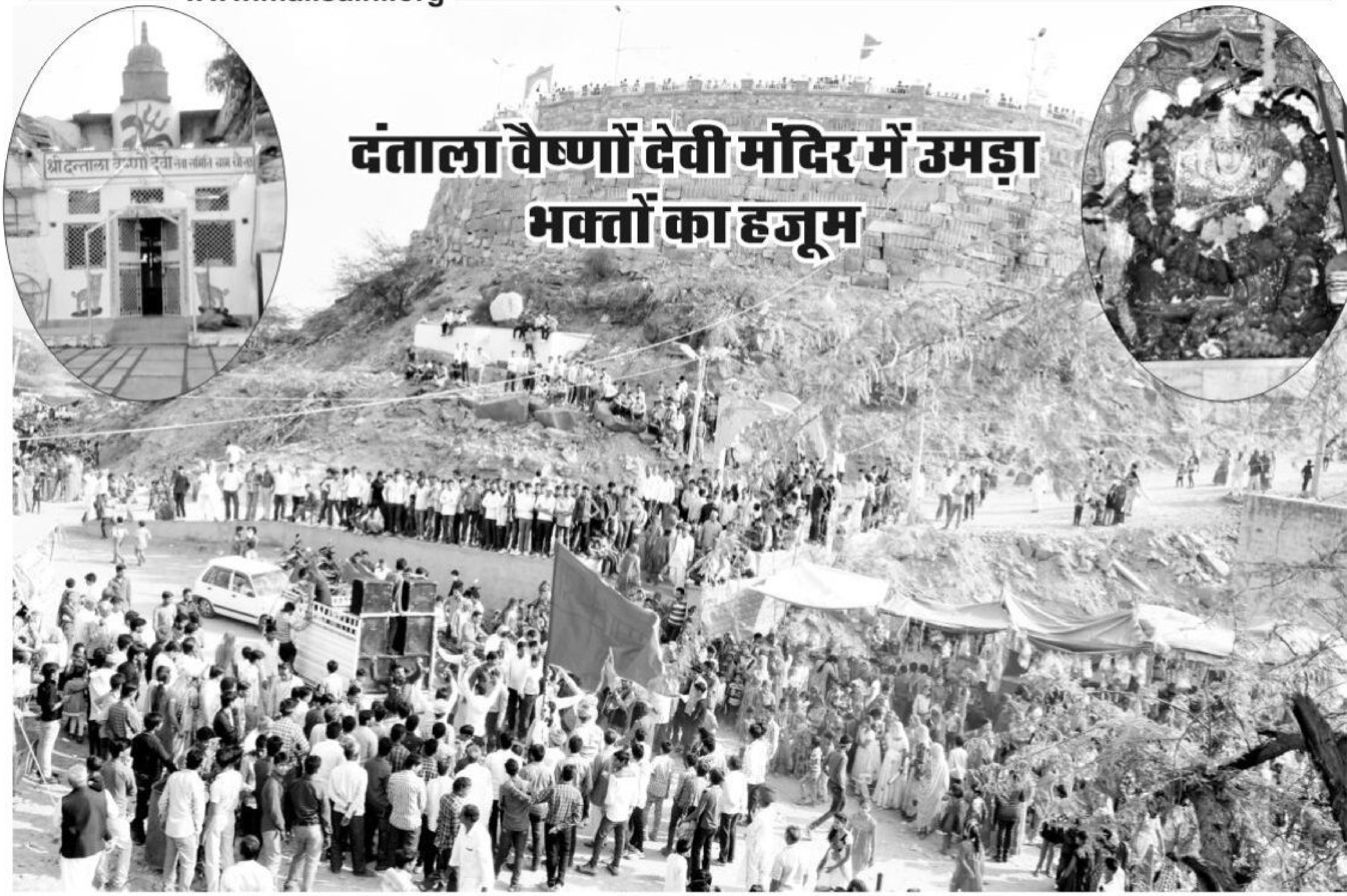

जोधपुर। चौखा स्थित दंताला वैष्णों देवी मंदिर में चैत्र नवरात्री में अष्टमी को वर्षो से आयोजित मेले में समाज ही नहीं वरन आस-पास के 27 गांवों के हजारों भक्तों ने मां के दरबार में दी हाजरी।

संस्थान के अध्यक्ष श्री दुर्गाराम परिहार ने बताया कि सैकड़ों वर्षो पुरानी माता की प्राचीन मूर्ति के दर्शन हेतु वर्ष भर लोगों का आना होता है लेकिन नवरात्र में विशेष रूप से हजारों की संख्या में मां के भक्त यहां आकर माता के दर्शन कर घर परिवार की खुशहाली की कामना करते है। अध्यक्ष ने बताया की सड़क से करीब 140 फीट ऊंचाई पर बनें इस मंदिर की स्थापना आज से 57 वर्ष पूर्व की गई थी। मंदिर के प्रति भक्तों की आस्था का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस मंदिर के जीर्णोदार हेतु अनेकों भामाशाहों एवं दानदाताओं ने लगभग 50 लाख रूपये मंदिर के निर्माण एवं रखरखाव हेतु दिए है।

यह भक्तों की आस्था ही है कि इस दिन मंदिर में अलग अलग गांवों से गैरें भी आती है। अष्टमी के पूर्व संध्या पर संस्थान द्वारा आयोजित भजन संध्या में भी क्षेत्र एवं आस पास के गांवों के लोगों ने आनंद लिया। अष्टमी को आयोजित मेले में दूर दराज से भक्तगण विभिन्न पांरपरिक परिधानों में दिन भर माता के दर्शन हेतु आते है साथ ही मंदिर परिसर के पास होने वाले मेले का आनंद भी लेते है। इस आयोजन को सफल करने हेतु संस्थान के पदाधिकारी श्री गुमानसिंह भाटी (सचिव), श्री दौलाराम गहलोत (कोषाध्यक्ष) एवं श्री ओमप्रकाश सांखला, श्री जयसिंह गहलोत, श्री नरपतसिंह परिहार, श्री जयसिंह सांखला, श्री मगराज गहलोत, श्री बालकिशन गहलोत, श्री चेतनप्रकाश सांखला, श्री श्यामलाल भाटी, श्री राकेश सांखला, श्री उगमसिंह कच्छवाहा, श्री गुमानसिंह टाक, श्री घेवरचंद गहलोत के साथ ही क्षेत्र के गांव वाले व प्रबुद्ध नागरिकों का भी पूरा सहयोग होता है जिससे इस मेले के प्रति लोगों का लगाव रहता है तथा हर वर्ष मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है।

अजमेर में निशुल्क रोजगार मेला का आयोजन

अजमेर। ''सैनी योग डाट काम''के तत्वाधन में सैनी समाज हेतु दिनांक 1 मार्च 2015 रविवार को साई बाबा मन्दिर में एक निशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया गया उक्त रोजगार मेले को पांच समाज के लोगो द्वारा सयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मंदिर के पुजारी द्वारा सभी संयोजक एवं कार्यकर्ताओं के साथ द्वीप प्रज्वलित कर एवं सभी भगवानों का माल्यापर्ण कर कार्यक्रम का श्री गणेश कराया गया।

सभी आंमत्रित 12 कम्पनियों के साक्षत्कार हेतु पृथ्क पृथ्क स्थान उपलब्ध कराया गया एवं इन सभी की अलग अलग प्रतिक्षा हेतु सीटिंग व्यवस्था की गई। रोजगार मेले में 12 प्रतिष्ठित कम्पनियों यथा एच.डी.एफ.सी लाईफ, ऐरिना एनिमेशन, किरनानी टेक्नोलोजी, सर्वेश्वर मेडिकल, रसोई, सेपियन्ट आदि ने भाग लिया एवं अपनी आवश्यकतानुसार लेखाकार, कार्यालय स्टाफ, काउन्सलर, टेलीकालर, रिसेप्शनिस्ट, टीचर, कस्टमर केयर, कम्प्यूटर टाईपिस्ट, स्टोर मेनेजर, स्टोर कीपर आदि पदो पर रोजगार देकर सभी इच्छुक व्यक्तियो को लाभ प्रदान किया। इन सभी कम्पनियो ने मार्केटिंग एण्ड सेल्स, प्रोडक्शन, हास्पीटेलीटि, बेक आफिस से संबंधित क्षेत्र के रोजगार प्रदान किये गये।

उक्त रोजगार मेला अपने आप में एक विशेष भिन्नता लिये हुये था चुकिं सभी समाज द्वारा अपने अपने योग्य उम्मीदवारों को फिल्टर कर / छांट कर रोजगार मेले में ले जाया गया। रोजगार मेले में युवक /युवतियो की स्वंय की इच्छानुसार अर्थात् कम्पनियों की वरियतानुसार पर्सनल इन्टरव्यु दिलाया गया जिससे सभी युवक युवतियो को अपनी इच्छानुसार कम्पनी में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो सका। युवक / युवतियों को योग्यतानुसार फिल्टर कर कम्पनियों को आवश्यकतानुसार युवक युवतियां उपलब्ध कराने का यह एक अद्भूत प्रयोग था जिसकी आंमत्रित कम्पनियों द्वारा भी सरहाना की गई। कम्पनियों द्वारा सफल

उम्मीदवारों को रूप्ये 5000/- से 20000/- प्रति माह तक की नौकरियां उपलब्ध कराई गयी जिसमें अधिकांश नौकरियां 10000/- से अधिक की थी। सभी कम्पनियों द्वारा अधिंकाश नौकरियां अजमेर शशहर में ही उपलब्ध कराई गई है। एक कम्पनी द्वारा विदेश में भी नौकरी उपलब्ध कराई गई। इस प्रयोग द्वारा सभी कम्पनियों को कम समय में सुयोग्य उम्मीदवारों के चयन की सुविधा प्रदान हो सकी। कम्पनियों द्वारा इस कार्यक्रम में सभी समाज के 100 उम्मीदवारों के द्वारा भाग लिया गया जिसमें से 32 उम्मीदवारों को तत्काल उसी स्थान पर रोजगार दे दिया गया। नियोक्ता द्वारा दिये गये 32 रोजगार में से लगभग 15 रोजगार सैनी समाज के युवक / युवतियो ने प्राप्त कर अपनी योग्यता का परिचय दिया एवं समाज का नाम रोशन किया । सैनी समाज से श्खुशबु सांखला, पिकी जादम, नेहा चौहान, बृजेश तंवर, कुमकुम मारोठिया, खुशबु बनिष्ठीया, ज्योति चौहान, प्रतिभा पाथरा, नरेन्द् तंवर, सुमन गहलोत, पिंकी महावर एवं चंचल सांखला आदि का चयन भिन्न भिन्न कम्पनियों में हुआ है ''सैनी योग डाट काम'' इन सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। सभी चुने गये उम्मीदवारो द्वारा खुशी का इजहार किया गया एवं ''सैनी योग डाट काम ''द्वारा उल्लेखनीय है कि ''सैनी योग डाट काम'' द्वारा 11 जनवरी 2015 को निशुल्क वैवाहिक सम्मेलन का आयोजन किया गया इसके पश्चात् रोजगार मेले का आयोजन किया गया हैं। इसी तरह समाज के प्रत्येक व्यक्ति के विकास एवं सहयोग के लिये सैनी योग डाट काम हमेशा तत्पर है आगे भी इसी तरह के आयोजन समाज के गणमान्य व्यक्तियों के सहयोग से जारी रहेगा।

कार्यक्रम का सयोंजक सतीश सैनी द्वारा किया गया एवं आयोजन समिति के सहयोग कर्ता श्री प्रदीप कुमार कच्छावा, मोहन लाल उबाना, राजेन्द्र बागडी, कन्हैया लाल तुनवाल, सुनिता सांखला धनराज कच्छावा आदि उपस्थित थे।

''मेरा योग डाट काम''के मनीष साहु ने अन्त में सैनी योग डाट काम, साहु योग डाट काम, सिंधी योग डाट काम, जागिंड योग डाट काम, अग्रवाल योग डाट काम, के आयोजको एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया एवं भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कराने का आश्वासन दिया गया ।

सोलंकी अध्यक्ष व कबाड़ी मंत्री

रामलाल सोलंकी

बैंगलुरू। लाल बिल्डिंग रिटेलर गारमेन्ट एसोसियेशन मामुलपेट का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें रामलाल सोलंकी को अध्यक्ष व श्री निवास डी कबाड़ी को मंत्री चुना गया। इसके साथ ही कार्यकारिणी में याकेश एम. मेहता उपाध्यक्ष, नीरज कुमार जैन कोषाध्यक्ष, भावेश एल. दोशी को सहमंत्री चुना गया। सात लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

माली समाज सामूहिक विवाह आयोजन सेवा समिति की बैठक में तैयारियों की हुई चर्चा सामूहिक विवाह के लिए बनाई 10 कमेटियां

शिवगंज। शहर के भक्त लखमीदासजी मंदिर परिसर में रविवार को माली समाज सामूहिक विवाह आयोजन सेवा समिति पांच परगनों की बैठक अध्यक्ष शांतिलाल माली की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 21 अप्रैल को 31 जोड़ों के परिणय सत्र में बंधने की तैयारियों पर चर्चा की गई। विवाह आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर अलग-अलग कमेटियां गठित की गई तथा समिति के आय-व्यय की जानकारी देकर विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में समिति अध्यक्ष शांतिलाल माली ने कहा कि समाज के सभी परिवारों को साथ में लेकर चलने के लिए सामूहिक विवाह आज की आवश्यकता है। विवाह के ऐसे आयोजनों से ही फालतू खर्च पर अंकुश लगेगा। साथ ही प्रेम और स्नेह के भाव भी पैदा होंगे। उन्होंने में सहयोग देने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से बड़े आयोजन को सफलता मिलनी संभव होती हैं।

व्यवस्थाओं के लिए बनाई कमेटियां : बैठक में विवाह आयोजन सेवा समिति के कोषाध्यक्ष हरिश कुमार ने पंचों को आय-व्यय की जानकारी दी। इसके बाद सर्व सम्मति से साम्रगी क्रय कमेटी, नियंत्रण निरीक्षण प मार्गदर्शन कमेटी, बारात स्वागत, आवास, तोरण व पाणिग्रहण संस्कार व्यवस्था कमेटी, भोजन रसोड़ा व्यवस्था कमेटी, भोजन वितरण व्यवस्था कमेटी, जल व्यावस्था कमेटी, उपहार वितरण कमेटी, कंट्रोल रूम एवं पूछताछ कमेटी, विवाह पंजीयन कमेटी व शांति, सुरक्षा व अनुशासन व्यवस्था कमेटी का गठन कर विभिन्न व्यवस्थाओं के अधिकार सौंप गए।

इन्होंने लिया भाग : बैठक में समिति के उपाध्यक्ष भंवरलाल देवड़ा, सह कोषाध्यक्ष हंजारीमल सोलंकी, नगर पालिका के पूत्र अधिशासी अधिकारी शंकरलाल गहलोत, माली समाज शिवगंज के अध्यक्ष मांगीलाल गहलोत, पूर्व अध्यक्ष नारायणलाल परिहार, बाबूलाल गहलोत, पार्षद लक्ष्मण परिहार, सुरेश परिहार, पोसालिया के हंसाराम परमार, हिम्मतराम माली, सलोदरिया के पूर्व सरपंच कानाराम परिहार, विरमपुरा के जोधाराम माली, बेड़ा के फूलाराम माली, कोरआ के कानाराम माली, केराल के छोगाराम गहलोत, सुमेरपुर के नारायणलाल चौधरी, तिकमाराम देवड़ा, गणेश भाटी, शंकरलाल टांक, नेनाराम गहलोत, महेश कुमार, मांगीलाल परिहार समेत समाज के पंच मौजूद थे।

जोधपुर। माली संस्थान द्वारा भी आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन कार्य आरंभ हो चुका है। संस्थान के अध्यक्ष देवीचंद देवड़ा ने बताया कि आखातीज 21 अप्रेल को आयोजित होने वाले सम्मेलन में नि:शुल्क विवाह समारोह आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम की अधिक जानकारी हेतु संस्थान के जोधपुर स्थित कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

मेड़ता में 50 जोड़ें थामेंगे एक दूसरे का हाथ

मेड़ता सिटी। माली समाज मेड़ता सिटी द्वारा 21 अप्रेल 2015 को आयोजित होने वाले चतुर्थ सामूहिक विवाह समारोह में अभी तक 30 जोड़ों का रजिस्ट्रेशनहो चुका है तथा कुल 45 से 50 जोड़ों का इस सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है।

संस्थान के अध्यक्ष गोरधनराम टाक ने बताया कि इसमें समाज के दानदाताओं द्वारा विशेष सहयोग किया जा रहा है। सम्मेलन की सफलता के लिए विभिन्न समितियां बनाई गई है। जिसमें नवयुवक मण्डल की ओर से सत्यनारायण चौहान, खेताराम टाक, राजूराम गहलोत, जयसिंह सांखला, रमेश पालड़िया एवं धनराज भाटी अपनी सेवाएं दे रहे है। महिला समिति में श्रीमती सरिता टाक कल्पना चौहान, मैनादेवी गहलोत, किरण देवी सांखला, एवं मुन्नीदेवी सांखला सम्मिलित है।

संस्थान के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष शंकरलाल गहलोत, कोषाध्यक्ष रामरतन गहलोत, महामंत्री जब्बरसिंह भाटी, मंत्री लूणाराम सांखला, एवं सचिव भरत चौहान कार्यक्रम की ऐतिहासिक सफलता के लिए दिन रात प्रयासरत है।

श्री मातेश्वरी सैनेट्री का भव्य उद्घाटन

जोधपुर। मगरा पूंजला स्थित माता का थान मन्दिर के ठीक सामने श्री मातेश्वरी सेनेट्री का भव्य उद्घाटन हुआ।

श्री मातेश्वरी सेनेट्री के संचालक रमेश भाटी ने बताया कि मुख्य अतिथि पार्षद पति सम्पतराम दाधिच, पृथ्वीसिंह गहलोत, चम्पालाल भाटी, गोपालराम गहलोत, महेन्द्रसिंह गहलोत, सुरेन्द्रसिंह सोलंकी ने विधि विधान से फीता काटकर उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथियों को माला और साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस क्षेत्र में काफी समय से सेनेट्री सामान की सख्त जरूरत है। सेनेट्री सामान होलसेल और रिटेल में बेचा जायेगा। इस कार्यक्रम में परसाराम भाटी, जगदीश देवड़ा, कालुराम टाक, लुम्बाराम देवड़ा, कल्याणराम भाटी, जगदीश गहलोत, रामचन्द्र सोलंकी, रामपाल सोलंकी सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिराव फूले संस्थान फतेहपुर का प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

फतेहपुर शेखावाटी। सैनी युवाओं की नवगठित संस्था महात्मा ज्योतिराव फूले संस्थान' का प्रथम अधिवेशन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 1 मार्च 2015 रविवार को त्रिवेणी भवन के सम्मुख स्थित बियाणी गार्डन में सोल्लास सम्पन्न हुआ। पूरे नगर के युवकों द्वारा की जा रही व्यवस्था, उनका जोश- खरोश एवं मेहमानों का किया जा रहा स्वागत काबिले तारीफ था। शानदार मंच एवं विशाल पाण्डाल एवं उसमें विराजित हजारों पुरूष, महिलाएं एवं बालक, बालिकाएं समारोह को भव्यता दे रहे थे।

विशाल मंच पर विराजमान होकर सभा की अध्यक्षता कर रहे थे श्री सुभाष सैनी मैनेजिंग डाइरेक्टर गुरूप्रज्ञा रियल मार्ट, जयपुर जबकि मुख्य अतिथि थे श्री राजेश सैनी कृषि विशेषज्ञ, जयपुर एवं श्री आलोक सैनी उप निदेशक (प्रशासन) पुलिस एकेडमी, जयपुर विशिष्ट अतिथि थे- श्री गंगाबक्ष सैनी सीकर, श्री गोपाल राकसिया-सीकर, श्री बनवारीलाल सैनी, उप जिला प्रमुख झुंझुनूं, श्री भंवरलाल गौड़ जिलाध्यक्ष सैनी अधिकारी-कर्मचारी संस्था चूरू, श्री नरेन्द्र कुमार जमालपुरिया चूरू, श्री बाबूलाल सैनी पत्रकार लक्ष्मणगढ। विशिष्ठ दीर्घा में विराजमान थे। श्री सांवरमल चूनवाल सीकर, श्री चन्द्रमोहन तंवर चूरू, श्री भंवरलाल तंवर रामगढ़, श्री प्रहलादराय परिहार रामगढ़, श्री सम्पतराम सैनी हैण्डीक्राफ्ट वाले रामगढ़, श्री महेन्द्र कुमार चूनवाल लक्ष्मणगढ़, श्री सज्जन सैनी लक्ष्मणगढ़ , श्री सुरेश सैनी बिसाऊ, विलास सैनी बिसाऊ, रामरतन सैनी बिसाऊ, श्री मातादीन सैनी बगड़, श्री सत्यनारायण हलकारा झुंझुनूं, श्री विष्णु सिंगोदिया सीकर, श्री रामवतार सिंगोदिया सीकर आदि।

इस समारोह में 4 वर्तमान नगरपालिका पार्षदों, अभी हाल राजकीय सेवा में नियुक्त युवक युवातियों, सी.ए. परीक्षा में सफल 2 युवकों एवं 1 युवति तथा सेना में लेफ्टीनेन्ट लगे 1 युवक को सम्मानित किया गया। फतेहपुर के ही होनहार श्री अलोक सैनी सी.आई. से युवक मिले और प्रेरित हुए। कुल 141 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। फतेहपुर के वरिष्ठ समाज सेवी श्री अशोक कुमार बागड़ी का अभिनन्दन कर उनकी समाज सेवा को सम्मान किया गया। उन्हें माला तथा साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर, स्मृति चिह्न, महात्मा फूले का चित्र, अभिनन्दन पत्र एवं साहित्य भेंट करकर सम्मानित किया गया।

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र : स्मृति चिह्न एवं नकद राशि दी गई। सभी उपस्थित जनों के लिए समधुर भोजन की व्यवस्था री मोती लाल पापटवाण मोती मिष्ठान भण्डार वालों द्वारा की गई। सभा का संचालन श्री प्रह्लाद राय बागड़ी ने अपनी ओजस्वी वाणी में किया। आपका सहयोग किया श्रीमति निर्मला सैनी कॉलेज व्याख्यात चूरू ने।

कोसाणा सरपंच को उपहार में मिले पन्द्रह लाख रुपये

पीपाड़ सिटी। क्षेत्र में पंचायत राज चुनाव में जीतहासिल करने के बाद मतदाताओं का धन्यवाद सभा का आयोजन करना लखपति बनने का माध्यम बन गया है।

सरपंच चुनाव में निर्धारित राशि बीस हजार रूपये भी खर्च नहीं करने के बावजूद इन सभाओं में सरपंचों के लाखों के वारे न्यारे हो रहे है। कोसाणा सरपंच बाबूदेवी गहलोत की ओर से आयोजित धन्यवाद सभा में ग्रामीणों ने फूल मालाओं के साथ पन्द्रह लाख से अधिक की राशि उपहार में दे डाली। सरपंच की ओर से सभा में आगन्तुकों के स्वागत सत्कार के रूप में अतिथियों को साफे पहनाकर उपकृत किया गया। धन्यवाद सभा में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, राजसीको के पूर्व अध्यक्ष सुनिल परिहार, बिलाडा प्रधान डूंगरराम बड़ियासर, पालिका उपाध्यक्ष कन्हैयालाल जांगिड, पूर्व पालिका अध्यक्ष बाबूलाल टाक, उपखण्ड विकास मंच के संयोजक महेन्द्रसिंह कच्छवाहा व राजकीय कन्या महाविद्यालय छात्र संघ अध्यक्षा सुमित्रा गहलोत सहित पंचायतराज के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

देवड़ा किराणा स्टोर का भव्य उद्घाटन

जोधपुर। मगरा पूंजला स्थित चतुरानल पुलिया देवड़ा मार्केट, माता का थान रोड़ पर देवड़ा किराणा स्टोर का भव्य उद्घाटन हुआ।

देवड़ा किराणा स्टोर के संचालन मोहनसिंह देवड़ा ने बताया कि मुख्य अतिथि किशोरसिंह टाक पार्षद वार्ड नं. 62, फतेहसिंह देवड़ा, गुलाबसिंह सांखला, हेमसिंह सांखला, किशनसिंह देवडा ने विधि विधान से फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया। इससे पहले अतिथियों को माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

काफी समय से इस क्षेत्र में किराणा स्टोर की जरूरत थी। देवड़ा ने बतायाकि इस प्रतिष्ठान में होलसेल कीमत पर किराणा का सामान उपलब्ध करवाया जायेगा। इस कार्यक्रम में थानाराम परिहार, राजाराम टाक, रघुनाथजी सांखला, महेन्द्रसिंहजी सांखला, बालकिशन परिहार, भीखसिंहजी गहलोत, खेताराम सांखला, रोहित सांखला, गोरधन सांखला, गोपाल सांखला, हीरालाल गहलोत, दौलसिंह देवडा, जगदीश देवड़ा सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के सानिध्य में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के 7 वर्ष पूर्ण

देशभूमि भारत के इतिहास में ने पहले थी न वर्तमान में है ऐसी एम्बुलेंस सेवा

श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज बचपन से ही धार्मिक वातावरण में पले बड़े हुए है और आदिशक्ति भंवाल माता के अनन्य भक्त है। अलौकिक प्रतिभा के धनी महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज ने बचपन मे ही धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर लिया था। बचपन से ही आप को धार्मिक एवं सेवा भावी संस्कार मिलने के कारण आप रात दिन गो सेवा में सर्मपित है। आपने कई बार संघर्ष करके कत्लखाने जाते हुए गोवंश को बचाया है और अपने करोड़ों रूपये के घरेलू व्यापार को छोड़कर ग्रह त्याग करके रात दिन गोमाता के बीच ही निवास करते हैं, यह अपने आप में एक महान् उदाहरण है। महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज द्वारा गोरक्षार्थ, गोहितार्थ जो बीड़ा उठाया गया है, वह आने वाली पीढी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के जीवन का उद्देश्य यही है, कि कोई भी लावारिस गोवंश सड़कों के किनारे दूर्घटनाग्रस्त होकर तड़पे नहीं, भूख प्यास से व्याकुल होकर अपने प्राण नहीं त्यागे, लावारिस बुढ़े बीमार गोवंश को कुत्ते कौए नोचे नहीं, इसी लक्ष्यं को ध्यान में रहते हुए महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज ने सुख सुविधाओं का त्याग करके (गोलोक महातीर्थ) की स्थापना की , जो आज विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के नाम से विख्यात है।

महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के नि:स्वार्थ सेवा भाव को देखकर कलयुग में सतयुग जैसी अद्भुत "विश्व स्तरीय" गौ सेवा को देखकर, पुराणों व धर्म ग्रंथों के अद्वितीय ज्ञान को देखते हुए महाकुम्भ इलाहाबाद में भारत के सबसे बड़े संत समाज (जिसमें लाखों संत) पंच दशनाम जुना अखाड़ा ने 8 फरवरी, 2013 को संत समाज का सर्वोच्च पद "महामण्डलेश्वर" पदवी का पट्टाभिषेक किया। इस दौरान भारत के 13 अखाड़ों ने अपनी ओर से चादर ओढाकर समर्थन किया। इस ऐतिहासिक घटना में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संत तथा दो दर्जन से अधिक महामण्डलेश्वर, अनेक विद्वान् , हजारों की संख्या में संत व भक्तगण साक्षी थे। स्वामीजी नागौर जिले के एकमात्र संत हैं जो कुम्भ एवं महाकुम्भ में संत समाज द्वारा शाही रथ पर बैठकर शाही स्नान करने का सुअवसर प्राप्त है। शाही रथ पर चांदी का सिंहासन, चांदी का छत्र, चांदी की छड़ियां तथा कोतवाल की व्यवस्था संत समाज द्वारा रहती है। शाही स्नान के दौरान सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा थल सेना, जल सेना, वायु सेना की व्यवस्था भी रहती है। पूज्य स्वामीजी महाराज ने राजस्थान में सबसे छोटी आयु के महामण्डलेश्वर पद्वी प्राप्त करने का भी गौरव प्राप्त किया। माहमण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज इस गोसेवा के महान कार्य के बावजूद समाज मे गोसेवा के प्रति जागृति एंव चेतना जगाने मे प्रयत्नशील है।

श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामीजी महाराज का गोभक्तों के नाम सन्देश- परमात्म स्वरूप सज्जनों यह पृथ्वी माता ही कामधेनु का दूसरा अवतरण है। तीसरे में गाय है जो पंचगव्यामृत से समष्टि प्रकृति, पृथ्वी एवं समस्त देहधारी प्राणियों को जीवनी शक्ति प्रदान करती है। इसका शरीर दिव्य विजानमय यंत्रों से निर्मित है। इसकी अभिव्यक्ति हव्य-कव्य, अन्न औषधी, फल, बिल्वादि पवित्र वृक्ष के बीज धर्म स्वरूप वृषभ एवं पंचगव्य सहित विविध मंगलमय पदार्थ है जिससे देव प्राण, ऋषि प्राण के साथ-साथ समस्त प्राणियों की पुष्टि के रूप में होती है। इस प्रकार कामधेनु का पूर्व स्वरूप हमारे सामने आया। अर्थात प्रकृति, पृथ्वी तथा गाय मिलकर कामधेनु का पूर्ण रूप हुआ। इस समय विश्व की विनाशकारी स्थिति हमारे सामने है। आज विश्व मानव प्रकृति को भोग्या मानकर उसका अत्यधिक शोषण केवल अपनी वासनाओं की पूर्ति के लिये ही कर रहा है। गाय ने ही मानव को स्वास्थ्य, देवताओं को भोग सामग्री ऋषियों को ऋतम्बरा प्रज्ञा, समृद्धि प्रकृति के सन्तुलन पर्यावरण को शुद्धता एवं विविध जीव सम्पदा के निर्वाह हेतु तथा पृथ्वी माता को समृद्धि प्रदान करने की अकल्पनीय शक्ति प्रदान की है। सज्जनों भारत की पवित्रतम भूमि पर कामधेनु की सन्तानों के साथ घोर अन्याय हुआ है। गो हत्या को जघन्य एवं अक्षम्य अपराध मानने वाले द्वीप में गोवंश की हत्या को आज वैधानिक रूप प्रदान किया जा चुका है पिछले 200 वर्षो से इस पवित्र धरा पर अन्य मूक पशुओं के साथ-साथ कामधेनु की सन्तानों को भी यांत्रिक जबकि गोघात रूपी कुकर्म बिहड रेगिस्तान से निकले उन्माद ग्रसित मानवाकार दानवों ने तो 1100 वर्ष पूर्व ही शुरू कर दिया था परन्तु यह सीमित व अवैधानिक रूप से ही होता था। उन्माद मिटने पर पुन: कुकर्म पर प्रतिबन्ध लग जाता था। धीरे-धीरे इस धरती पर विपरीत बुद्धि-वाले असभ्य मानवाकार असुरों की कभी पूरी न होनेवाली सता ओर साम्राज्य की भूख ने दूसरे विविध प्राणियों सहित कामधेनु स्वरूप गोमाता की हत्या तक का विधान बना डाला। केवल अपनी वासनापुर्ति हेतु दुसरों के अधिकारों का चतुरता पूर्वक हनन कर देना यह आसुरी प्रवृति है। मनुष्य सृष्टि का

श्रृंगार होगा और दानवता प्राप्त सृष्टि का विनाशक होगा। यह दानवता अगर दानवता के रूप में आती है तब तो पहचानी जाती है पर यहीं दानवता जब मानवता का चोला धारण करके प्रकट होती है तब इसको पहचानना बड़ा दुष्कर कार्य हो जाता है। आज के विश्व मानव के वर्तमान मनुष्य कृत एवं प्रचारित वैधानिक प्रणाली इस रूप में हमारे सामने है। विश्व विकास तथा अल्प मनुष्य सुख के कथिल भ्रम में समष्टि प्रकृति प्रारूप का विनाशकारी शोषण हो रहा है। इसी विश्व विनाशकारी प्रवृति का मूर्तिमान रूप यह है कि भारत में गोहत्या के यान्त्रिक कत्लखाने इस देश का अरबो गोवंश निगल चुके है। आज से 50 दशकों पूर्व में भारत ग्रामीण जगत में मिलता था जहां गोचर गाय और ग्राम का समग्र प्राकृत रूप हम देख सकते थे। यह गाँव पूर्ण रूप से स्वावलम्बी थे, प्रत्येक ग्रामवासियों के लिये अपने सामूहिक बडे जलस्रोत, बड़े-बड़े गोचर तथा कृषि योग्य भूमि रहती थी जहां प्रकृति पूर्णरूप से प्रगट दिखती थी। ग्रामों के गोचर तथा खेत पवित्र कामधेनु की सन्तानों से सुशोभित थे। इसके अतिरिक्त अन्य पालतु पशुओं में अश्व सहित अनेक वन्य पशु-पक्षी जीवजन्तु तथा विविध प्रकार की वृक्षावली से आवृत भूभाग जो रचयिता की समृद्धि प्रदान करने वाले दृश्यों से युक्त थे। आज गोचरों का नाश करने, कत्लखाने बनाने वाले मशीनरी युग ने प्रकृति माता के पूर्ण सौन्दर्य को प्राय: नष्ट कर दिया है। मानव के जीवन जीने का आधार गाय ही हो सकती है। लेकिन गोवंश प्राय: नष्ट हो चुका है। अब केवल बीज रूप से कामधेनु के सन्तानों का वंशमात्र रहा है। इस तरफ तत्काल ध्यान नहीं दिया गया तो फिर मानवीय सभ्यता का नाश निश्चित है। गोवंश को बचाने के लिये सम्पूर्ण राष्ट्र में पृथ्वी पर पुरूषार्थ करना होगा केवल लेखन भाषण अथवा आवेशात्मक आन्दोलन करने हेतु अब समय नहीं रहा है इसके पूर्व से ही सब बाते हो गई है। अब तो हमको रचनात्मक गोरक्षण अभियान भारत के गांव-गांव में चलाना होगा। परमपिता परमात्मा से अन्तत: प्रार्थना है कि शीघ्रातिशीघ्र गोपालन लोक विज्ञान सभ्यता का इस पृथ्वी पर पुनर्रावरण हो और हम सभी को विवेक का आदर करने की शक्ति प्रदान करें जिससे हम गोमाता की गौरवमयी परम्परा को कायम करने में सक्षम हो सके। इस अन्तत: उद्बोधन, उत्प्रेरणा तथा उद्गारों के साथ पुन: सभी गोभक्तों को जय गोमाता जय गोपाल।

गुरु पुर्णिमा - प्रतिवर्ष गोलोक महातीर्थ में गुरु पुर्णिमा महोत्सव मनाया जाता है। इस दौरान भारत के अनेक राज्यों से स्वामीजी महाराज के शिष्यगण एवं भक्तगण बड़ी संख्या में आते है तथा जो नये भक्त हैं वह स्वामीजी महाराज को गुरु धारण करके अपना आत्म कल्याण करते है।

नशा-मुक्ति - अब तक हजारों व्यक्तियों को नशा मुक्त बनाया, मांसाहार त्याग तथा जीव दया हेतु प्रेरित किया। नशा, मांसाहार व जीव हत्या ईश्वर प्राप्ति में बाधक है यही प्रेरणा अपने हजारों शिष्यों को दी।

दिनचर्या एवं आशीर्वचन - स्वामीजी महाराज भेष बदल कर सुबह कम्पाउण्डरों, इंचार्जगणों तथा एक्स्ट्रा टीम को साथ लेकर स्वयं पूरे परिसर की साफ-सफाई, सभी वार्डो में गोवंश को चैक कर आवश्यक दिशा निर्देश देना तथा रात्रि में भी उठकर पीड़ित गोवंश की देखभाल करते हैं, दिन में अधिकतर समय गुफा में रहकर अपनी साधना व प्रभु का ध्यान तथा इसके सफल संचालन हेतु एकान्त में चिन्तन करना, धर्म ग्रन्थों व शास्त्रों का अध्ययन करना। चिकित्सक टीम के साथ चिकित्सा सेवा पर, गोपालकों को साफ-सफाई व समय पर चारा और एम्बुलेन्स इंचार्ज व ड्राईवरों को आवश्यक निर्देश देना इत्यादि दैनिक कार्यो के साथ ही सुबह 9.15 बजे, सायं 5.00 बजे स्वामीजी महाराज बाहर से आये गोभक्तों व भक्तों को दर्शन व आशीर्वचन देते हैं ।

आमंत्रित करने हेतु - स्वामीजी के महीने भर में अनेकों कार्यक्रमों के निमंत्रण आते हैं स्वामीजी बहुत ही कम कार्यक्रमों में जाते हैं। स्वामीजी की हार्दिक ईच्छा यह ही है कि मैं केवल गोमाता की सेवा में लगा रहुं। ज्ञात रहे स्वामीजी अपनी सुपुत्री देवीजी की कथा में जो हजारों की संख्या में भक्त आते है तो भी कई कथा में नहीं जाते है। लेकिन भक्तों के काफी आग्रह पर कार्यक्रम बड़ा हो तब स्वामीजी अवश्य भक्तों को आशीर्वचन देते हैं। कम से कम चार-पांच दिन पूर्व सूचना दें ताकि स्वामीजी के बैनर भिजवाकर समय पर कार्यक्रम स्थल इत्यादि जगह पर लग सके।

भागवत सेवा ट्रस्ट-सुपुत्री - विश्व की सबसे छोटी आयु की कथा वाचिका पुज्या 'बाल व्यास' 13 वर्षीय सुश्री देवी ममता (देवीजी) संगीतमय एवं मनमोहक झांकियों सहित अपनी सुमधुर एवं ओजस्वी वाणी द्वारा उच्च स्तर एवं बड़े स्तर की भागवत कथा जो नि:शुल्क करती है एवं अन्य निजी डायरी को बिना देखे प्रमाणिक व विद्वता पूर्वक ही कथा का वाचन करतीहै।

श्रीगोलाक महातीर्थ में धर्मप्रेमीगण एवं गोभक्त विभिन्न प्रकार से सहयोग कर सकते है:-

1. एक बीघा जमीन का भाव-2700000/- (सताईस लाख रूपये)
2. गोदाम-1200000/- (बारह लाख रूपये)
3. एक महीने का पौष्टिक आहार -810000(आठ लाख 10 हजार रूपये)
4. बीमार गोवंश की दवाईया प्रतिमाह 800000/- (आठ लाख रूपये)
5. ट्रेक्टर-5,07,050/- (पांच लाख सात हजार पचास)
6. पशु एम्बुलेन्स (बुलेरो माईक्रो हाईब्रेड)-500000/-
7. गो चिकित्सालय का एक दिन का खर्च-2,50,000/-पौन तीन लाख रूपये ।
8. गोमाता की छाया हेतु टीन शेड (18 X 110) 2,15,000/-
9. गोमाता की छाया हेतु टीन शेड (18 X 90) 1,80,000/-
10. गोमाता की छाया हेतु टीन शेड (18 X 45) 90,000/-
11. साधु, साध्वियों, यात्रियों हेतु कमरा (20 X14) 1,50,000/-
    घायल वन्यजीवों हेतु लोहे का पिंजरा 40000/-
12. एक दिन की लापसी - 51000/-
13. एक दिन का पौष्टिक आहार-27000/-
14. एक दिन की मेडीकल लागत लगभग-26500/-

आप सहयोग ''श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति, नागौर'' के नाम से ड्राफ्ट बनवाकरक अथवा ऑनलाईन द्वारा SBBJ बैंक के खाता संख्या 61063361017IFSC code SBBJ0010528 एंव AXSIS BANK के खाता संख्या 912010003522032, IFSC Code UTIB0001384 में भेज सकते है।

पत्र व्यवहार का पता :-

श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति राठौड़ी कुआ, नागौर (राज.)

तुलादान - हमारे धर्म शास्त्रों में तुलादान का बहुत ही बड़ा महत्व है। मनुष्य अपने वजन के बराबर गौखाद्य सामग्री तोलकर गोमाता को अर्पित करता है, तो उसका बहुत ही पुण्य लाभ मिलता है। तुलादान करने से अनिष्ठ ग्रहों की शांति होती है और घर परिवार में सुख शान्ति समृद्धि बनी रहती है। द्वारका तीर्थ में भगवान श्रीकृष्ण ने अपना तुलादान करवाकर मानव जाति को सन्देश दिया की जीवन में एक बार तुलादान करवाकर गो खाद्य सामग्री गोमाता को अर्पण करावें। इससे पूर्व व इस जन्म के पापों से मुक्ति प्राप्त होती है।

गोभक्तों की सुविधा हेतु श्रीगोधाम सेवातीर्थ प्रांगण में विधिवत् तुलादान की व्यवस्था की गई है। गोभक्तों की सुविधा हेतु गोखाद्य सामग्री जैसे बाजरी, दलिया, गुड़, खल, चारा इत्यादि सामग्री श्री गोधाम सेवातीर्थ में उपलब्ध रहती है। प्रतिदिन अनेक गोभक्त तुलादन करके पुण्य लाभ कमाते है।

श्रीचन्द तूनवाल मानद विद्या-वाचस्पति सम्मान से सम्मानित

डीडवाना 26 मार्च शिक्षा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए स्थानीय पॉल स्टॉर द स्कूल के निदेशक श्रीचन्द तूनवाल को साहित्यिक सांस्कृतिक कला संगम अकादमी परियावां उतरप्रदेश द्वारा मानद डी लिट् (विद्या-वाचस्पति) सम्मान से सम्मानित किया गया है। अकादमी के निदेशक प्रो. श्यामलाल उपाध्याय ने बताया कि तूनवाल द्वारा दी जा रही शिक्षा जगत में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए परियावां में आयोजित साहित्यिक अकादमी के 33वें भाषायी एकता सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो वीर कुंअर सिंह द्वारा प्रदान किया गया। श्रीचन्द तूनवाल को यह सम्मान मिलने पर अनेक लोगों ने शुभकामनायें प्रेषित कर बधाई दी।

आचार्य जी का हुआ 'वेदों में समाष्टिवाद विषम पर व्याख्यान

रामगढ़ शेखावाटी (सीकर) स्थानीय आर्य समाज एवं स्व. सोहन लाल जड़िया स्मृति सेवा समिति, दिल्ली के संयुक्त तत्वसवधान में महात्मा कालूरामजी का अद्धवार्षिक समारोह महात्माजी की तपस्थली पर मौनी अमावस्या के अवसर पर 20 जनवरी को सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर शेखावाटी के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान आचार्य राम गोपाल शास्त्री सैनी का 'वेदों में समाष्टिवाद' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान हुआ। आचार्य जी ने बताया कि वेद सामूटिक, सामाजिक भावना के पोषक हैं व्यक्तिगत भावना (व्याष्टि) के नहीं वेदों में कहीं भी भकत ने, उपासक ने परमात्मा से यह नहीं मांगा है, कि मुझे ऐसा दीजिये, अपितु सभी जगह कहा है कि 'हम सबको यह दीजिये, 'हम सका कल्याण कीजिये।' आचार्य श्री ने चारों वेदो के पचासियों मंत्र उद्धृत करकर बताया कि वेदों में सर्वन्न सामाजिकता तथा समूहवाद का व्यावहार है, व्यक्तिवाद का नहीं।

मदललाल सैनी समाज सेवा सम्मान से सम्मानित

रामगढ़ से निरन्तर प्रकाशन के 56 वर्ष पूर्ण करने वाले समाजदूत साप्ताहिक के संगठन समाजदूत लोकतंत्र द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्व. श्रीमति सरबतीदेवी भगवानदत्त शास्त्री स्मृति द्वितीय समाजसेवा सम्मान रामगढ़ के यशस्वी सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमदनलाल सैनी सिंगोदिया को प्रदान किया गया। श्री राजेन्द्रप्रसाद सर्राफ की अध्यक्षज्ञता में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी श्री मनीषकुमार चौधरी थे। समारोह में कार्यकर्ताओं द्वारा श्री मदनलाल सैनी को अभिनन्दन पत्र शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

आचार्य राम गोपाल सैनी बने 'महात्मा फुले जागृति' पत्रिका के सह सम्पादक

जयपुर। महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय जागृति मंच (मुख्यालय-जयपुर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती लाल सांखला (मोती बाबा फुले) द्वारा प्रकाशित एवं सम्पादित मासिक पत्रिका 'महात्मा फुले जागृति' का आचार्य राम गोपाल शास्त्री (सैनी को सह सम्पादक नियुक्त किया गया है।

फतेहपुर शेखावाटी (जिला सीकर) निवासी 64 वर्षीय आचार्य राम गोपाल शास्त्री (सैनी) पी.जी. कालेज सेठ जी आर. चमड़िया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय फतेहपुर (सीकर) के प्राचार्य हैं। आप अनेक ग्रंथों के लेखक, सम्पादक, कवि, पत्रकार, वक्ता, मंच संचालक, कई सामाजिक एवं सार्वजानिक संस्थाओं में पदाधिकारी, संस्कृत के उच्च कोटि के विद्वान एवं पुरोहित हैं। आचार्य राम गोपाल शास्त्री का सम्पर्क सूत्र : मो. : 07790803408 (एयर सैल), 09887393713 (एम.टी.एस.) हैं।

आई.ए.एस. का प्रशिक्षण ले रहे हैं रोमन सैनी

जयपुर। पिछले दिनों आई.ए.एस. के कम्पीटीशन में ऑल इण्डिया में 18वीं रैंक पाकर सफल हुए युवक रोमन सैनी एक.बी.बी.एस इस समय मसूरी (हिमाचल प्रदेश) में आई.ए.एस. अधिकारी बनने का प्रशिक्षण ले रहे हैं। कोटपूतली (जयपुर) निवासी रोमन का परिवार अब जयपुर में रहता है। रोमन के पिताजी श्री रामावतार सैनी राजकीय आई.टी.आई. कॉलेजन बनीपार्क, जयपुर में प्राचार्य हैं। रोमन सैनी को जून 2015 तक मसूरी में प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके बाद अन्यय भेजा जायेगी। प्रशिक्षण के बाद इनको भारत भर में कोई प्रान्त अलॉट किया जायेगा। रवि सैनी बनेंगे आई.जी.एस में सफल रेह अलवर के युवक रवि सैनी एम.बी.बी.एस. अपनी रैंक 600 से 400 पर ले आये हैं। अब आपको आई.जी.एस. ब्रांच मिली है। वर्तमान में आप हैदराबाद में आई. जी. एस. का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इससे पूर्व आप कुछ समय मसूरी में प्रशिक्षण पर रहे। 2 वर्ष प्रशिक्षण लेने के पश्चात् आपको भारत के किसी भी प्रान्त में आई. पी.एस. अधिकारी एस.जी. अथवा अन्य समकक्ष पद पर नियुक्ति दी जायेगी।

माली समाज महासमिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन

जालौर। माली समाज महासमिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष भभूताराम सोलंकी ने मालियों के ठाकुरद्वारा मंदिर में महासमिति की आम सभा में नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। नवमनोनीत महामंत्री कालूराम ने बताया कि नवीन कार्यकारिणी में 63 पदाधिकारियों व सदस्यों को शामिल किया गया है। दस स्वजातीय पंचों के अलावा नरसाराम सांखला, देवीलाल माली, लक्ष्मण सुंदेशा को संरक्षक, लकमाराज सुंदेशा वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालूराम सोलंकी महामंत्री, पेमाराम सुंदेशा कोषाध्यक्ष व झुठाराम सोलंकी को सहकोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं कार्यालय मंत्री ईश्वर माली, समाज कल्याण मंत्री कुइयाराम व विक्रम सोलंकी, प्रचार मंत्री पन्नाराम व कानाराम, कृषि परिषद संयोजक रमेश सोलंकी व लसाराम, विधि परिषद संयोजक एडवोकेट सुरेश सोलंकी, विशेष आमांत्रित के रूप में कन्हैयालाल, वेलाराम, देवराज, पुखराज, चौथाराम परिहार, मसराराम सांखला व भगवानाराम सांखला तथा आमंत्रित सदस्य के रूप में पूर्व महामंत्री हुकमीचंद व कोषाध्यक्ष भोमाराम को मनोनीत किया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी में निर्णायक व सदस्यों का भी मनोनयन किया गया। आम सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष भभूताराम सोलंकी ने कहा कि समाज हित में पंच, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारीगण, युवा व समस्त स्वजातीय बंधुओं को एकजुट होकर तन मन व धन के साथ समय भी देना होगा।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर(पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री श्यामलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा

श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर

श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर

माली सैनी सन्देश

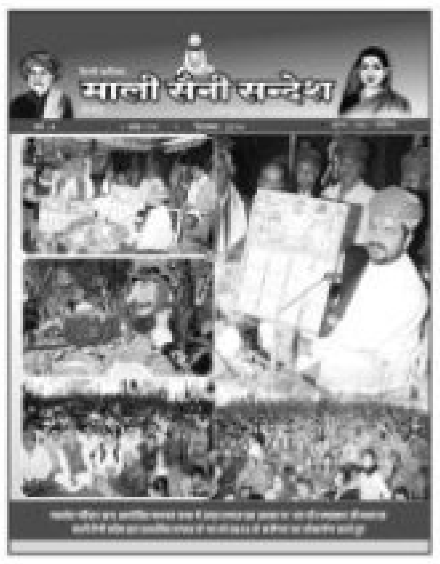
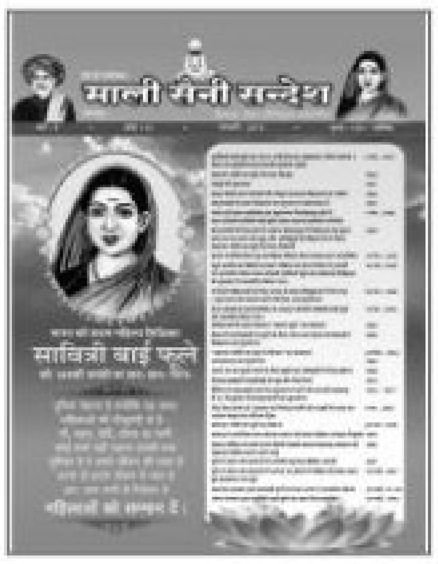

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों
का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक
गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी
जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि

हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे
देश ही नहीं विदेश में भी।

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वषो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए
डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 300/-	पांच वर्ष रु. 700/-	आजीवन रु. 3100/-

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन./मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रूपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अत: मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं. 9, जोधपुर

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org E-mail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

सैनी युवा परिषद द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन कार्यक्रम की झलकियां

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मोहित कच्छवाहा

सुपुत्र श्री संदीप कच्छवाहा

द्वारा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (R.T.V.)
कोटा द्वारा वर्ष 2014 में आयोजित
B.Tech Degree (Eletricetic Engineering)
परीक्षा में पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान कर
समाज को गौरवान्वित करने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु :
माली सैनी सन्देश परिवार
जोधपुर

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज (रजि.)

संयुक्त संगठन
(कुशवाहा, सैनी, शाक्य, मौर्य)
की रजत जयन्ति के अवसर पर

राष्ट्रीय जागृति महा-सम्मेलन

दिनांक : 5 अप्रेल, 2015, प्रात : 10 बजे

स्थान : नेहरू स्टेडियम आडीटोरियम, लाधी रोड़, नई दिल्ली

मुख्य अतिथि

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य
नेता विरोध दल विधानसभा - उ. प्रदेश

श्री छगन भुजबल
विधायक, पूर्व उप-मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

उद्‌घाटनकर्त्ता

श्री राजकुमार सैनी
सांसद कुरूक्षेत्र, हरियाणा

ध्वजारोहण

श्री सत्यपाल सैनी
सांसद सम्भल, उ. प्रदेश

विशेष सान्निध्य

डॉ. धर्म सिंह सैनी
पूर्व मंत्री, विधायक व चैयरमेन
लोकलेखा समिति, उ. प्रदेश विधानसभा

अध्यक्षता

श्रीपाल सैनी
ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज (रजि.)
संपर्क : 09610059441, 09871547497

स्वत्वाधिकारी सम्पादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक मनीष गहलोत के लिए
भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर 7,
जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 9414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org